>

Title: Need to include Bhojpuri language in the Eighth Schedule of the Constitution.

श्री शैलेन्द्र कुमार : माननीय सभापति महोदय, मैं बहुत ही अविलंबनीय लोक महत्व का प्रश्न सदन में उठाना चाहूँगा। मेरे ख्याल से जितने सदस्य यहाँ हैं, सब हमारे साथ इस बात पर सहमत होंगे। बात यह है कि सदन में लगातार पिछले करीब 15-20 सालों से भोजपुरी भाषा के संबंध में बात उठी है और देश और विदेशों में बोली जाने वाली भोजपुरी भाषा को मेरे ख्याल से 50 करोड़ से ज्यादा लोग बोलते हैं। सभापति जी भी वहीं से चुनकर आते हैं, पूर्वांचल से आते हैं, बिहार से लोग आते हैं। तमाम लोग जो इस सदन में बैठे हैं, वे भी भली प्रकार से जानते हैं। आपके कितने पूर्व मंत्रियों और मुख्य मंत्रियों ने यह बात उठाई। लेटेस्ट प्रभुनाथ सिंह, शत्रुघ्न सिन्हा जी और तमाम सदस्यों ने बात उठाई है। नीरज शेखर जी ने यह बात उठाई है, आपने खुद यह बात उठाई थी, आप वहीं से बिलांग करते हैं।

मैं चाहूंगा कि संविधान की आठवीं अनुसूची में उस भाषा को शामिल किया जाए और रहा सवाल कि यहां से बहुत से लोग बोलना चाहते हैं, संजय निरूपम जी ने भी इस बात को रखा था कि भोजपुरी को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल किया जाए। मैं साथ ही साथ मांग करूंगा कि दो दिन का सत्र है और छोटा सा बिल है, आप सरकार को निर्देशित करें कि इस बिल को इसी सत्र में शामिल करें, भोजपुरी को आठवीं अनुसूची में शामिल करें ताकि भोजपुरी बोलने वाले लोगों का सम्मान बढ़े और देश का सम्मान बढ़े। यहां तक कि विदेश में बहुत से राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री भी, यहां से जो लोग गए हैं, आज भी भोजपुरी भाषा बोलते हैं। भोजपुरी भाषा के सम्मान के लिए मैं चाहूंगा कि आप सरकार को निर्देशित करें और सरकार आश्वस्त करे।...(व्यवधान)

सभापति महोदय : शैलेन्द्र जी, आपकी भावना आ गयी है और आपके साथ सदन की भी भावनाएं परिलक्षित हो गयी हैं। जब सदन की भावनाएं परिलक्षित हो रही हैं तो सरकार उसका संज्ञान लेगी।

श्री शैलेन्द्र कुमार : आप निर्देशित कर दें। यह बहुत गम्भीर मामला है। यहां मंत्री लोग बैठें हैं, इनसे कहिए कि कुछ आश्वासन दे दें। भोजपुरी भाषा की बात है और आप कुछ आश्वासन दे दीजिए।...(व्यवधान)

सभापति महोदय : आपने जो बात कही है, उस पर पूरे सदन ने अपनी सहमति व्यक्त की है।

â€¦(व्यवधान)

श्री शैलेन्द्र कुमार : महोदय, यहां मंत्री जी बैठे हैं।...(व्यवधान)

सभापति महोदय : आप मंत्री जी को बाध्य नहीं कर सकते हैं।

श्री शैलेन्द्र कुमार : हम बाध्य नहीं कर सकते हैं, लेकिन मंत्री जी, आप आश्वासन तो दे दीजिए। आप कह दीजिए कि हां, हम देखेंगे।...(व्यवधान)

सभापति महोदय : आप आसन को एड्रेस कीजिए। आप लोग बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

सभापति महोदय :

*m02 श्रीमती पुतुल कुमारी,

*m03 श्री रवीन्द्र कुमार पाण्डेय,

*m04 श्री कमल किशोर 'कमांडो' और

*m05 श्री पन्ना लाल पुनिया अपने को श्री शैलेन्द्र कुमार द्वारा उठाए गए मुद्दे से संबद्ध करते हैं।